अटारी के ऊपर!

हायवान ओरम

मेरे पास सैकड़ों खिलोने थे और मैं उनसे ऊब गया था.
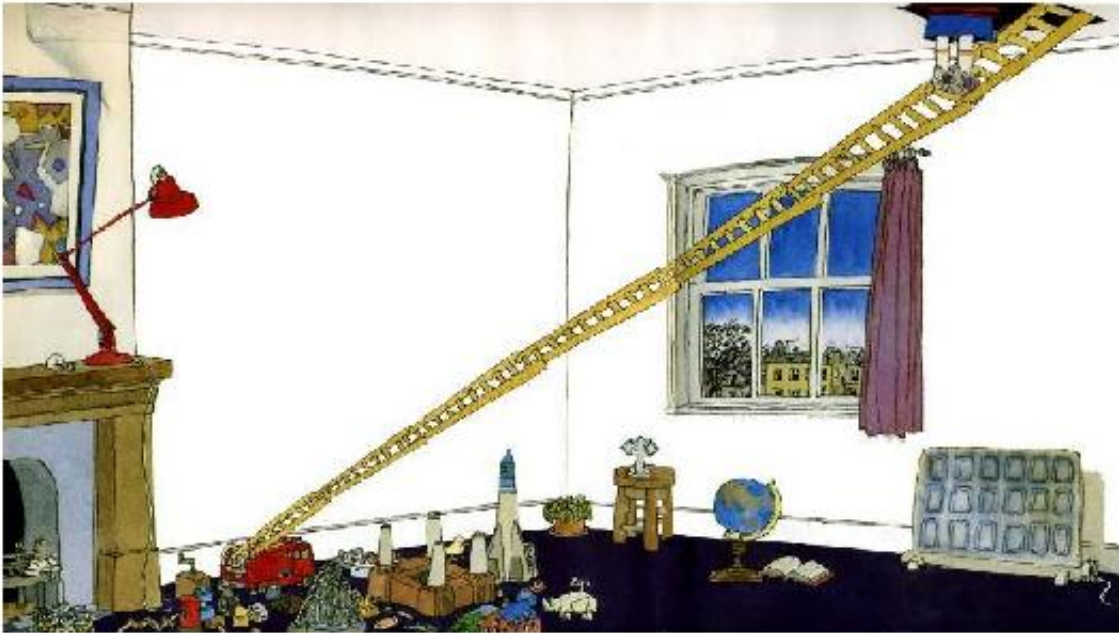
फिर मैं अटारी के ऊपर चढ़ गया.

अटारी खाली थी

या शायद वैसा नहीं था?

अब मैं अटारी पर था......

वहां मुझे एक चूहों का परिवार और एक कीड़ों की कॉलोनी मिली.

वो एक अच्छी जगह थी जहाँ मैं आराम से सोच सकता था.

मुझे वहां एक मकड़ी भी मिली और हमने मिलकर एक जाल बुना. मैंने जब एक खिड़की खोली तो सारी खिड़कियां अचानक खुल गईं.

फिर मुझे एक पुराना इंजन दिखा. मैंने उसे ठीक करके चालू किया.

जो कुछ मैंने खोजा था उसे बताने के लिए

मैं एक दोस्त को ढूंढ़ने निकला.

.....और मुझे एक दोस्त मिला.

मुझे और मेरे दोस्त को एक खेल मिला
जो हमेशा चलता रह सकता था,
क्योंकि वो बदलता रहता था.

फिर मैं अटारी से नीचे उतरा
और मैंने माँ को बताया कि
मैंने अपना पूरा दिन कहाँ
बिताया था.

"पर हमारे घर में तो कोई अटारी नहीं है," माँ ने कहा.
"शायद माँ, को अटारी के बारे में पता ही न हो? क्योंकि उन्हें सीढ़ी ही नहीं मिली!"

अंत